डिजिटल बदलाव की ओर बढ़े डाक विभाग

सिंधिया बोले- आने वाले समय में दिखेगा ऐतिहासिक परिवर्तन

पांच साल में 80त्न आय निजी क्षेत्र से लाने का लक्ष्य

नयी दिल्ली, 29 अक्टूबर. केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को डाक विभाग के अधिकारियों के साथ एक बैठक में राजस्व बढ़ाने और पार्सल तथा मेल सेवाओं को मजबूत करने का निर्देश दिया.

सिंधिया ने यहां डाक विभाग के शीर्ष अधिकारियों और सभी 23 डाक सर्किल के चीफ पोस्टमास्टर जनरल के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए चालू वित्त वर्ष की 30 सितंबर को समाप्त दूसरी तिमाही में 80 प्रतिशत राजस्व लक्ष्य हासिल करने पर संतोष व्यक्त किया और पूरे वित्त वर्ष के दौरान शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने का प्रयास करने को कहा. उन्होंने कहा कि दूसरी तिमाही में विभाग को 4,200 करोड़ के राजस्व का लक्ष्य दिया गया था जिसमें वास्तविक राजस्व सृजन 3,324 करोड़ रुपये रहा जो लक्ष्य का करीब 80 प्रतिशत है. पूरे वित्त वर्ष का लक्ष्य 18,000 करोड़ रुपये है. इसमें 38 प्रतिशत ही अब तक हासिल हो पाया है.

केंद्रीय मंत्री ने दिल्ली और तेलंगाना के प्रदर्शन की सराहना की जबकि तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक से कड़े शब्दों में प्रदर्शन में सुधार करने के लिए कहा. उन्होंने विभाग और सभी सर्किल प्रमुखों से पार्सल और मेल सेवा को मजबूत बनाने और नये बिजनेस में कदम रखने के लिए कहा. उन्होंने कहा कि अगले तीन साल में विभाग के कुल राजस्व में इन दोनों सेवाओं की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत करें और इस पर अभी से काम शुरू किया जाना चाहिये.

सिंधिया ने कहा कि विभाग को धीरे-धीरे सरकारी क्लाइंटों की बजाय निजी क्षेत्र से राजस्व बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिये. अगले पांच साल में कम से कम 80 प्रतिशत राजस्व निजी क्षेत्र से आये, इसके लिए काम किया जाना चाहिये. उन्होंने कहा डाक विभाग में आने वाले समय में ऐतिहासिक बदलाव होने वाले हैं और सरकार की योजना इसे एक डिजिटल क्षमता से लैस लॉजिस्टिक्स संगठन में बदलने की है.

वियतजेट का 11 रुपये में बुकिंग का ऑफर

नयी दिल्ली, 29 अक्टूबर. वियतनाम की विमान सेवा कंपनी वियतजेट ने सिर्फ 11 रुपये मूल किराये के भुगतान पर इकोनॉमी श्रेणी में टिकट बुकिंग के तीन दिन के ऑफर की पेशकश की है.

इस ऑफर के तहत बुकिंग बुधवार 29 अक्टबूर से 31 अक्टूबर तक करायी जा सकती है. उपलब्ध रियायती सीटें 01 दिसंबर 2025 से 27 मई 2026 तक की यात्रा के लिए हैं. एयरलाइंस भारत में दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, हैदराबाद, बेंगलुरु और कोच्चि से उड़ानों का संचालन करती है. इनमें वियतनाम के हनोई, हो ची मिन्ह सिटी और डा नांग शहरों की उड़ानें शामिल हैं. विमान सेवा कंपनी ने बताया कि यह 11 रुपये की रियायती दर सिर्फ मूल किराये के लिए है, कर एवं शुल्क इससे अलग होंगे.

भारत-ईयू एफटीए वार्ता में तेजी

दोनों पक्षों ने वर्ष के अंत तक समझौता पूरा करने का लक्ष्य रखा

पीयूष गोयल की ब्रसेल्स यात्रा से वार्ता को नई दिशा

नयी दिल्ली, 29 अक्टूबर. भारत-यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते के लिए चल रही वार्ताओं को आगे बढ़ाने के लिए ईयू के व्यापार महानिदेशक के नेतृत्व में यूरोपीय संघ की तकनीकी टीम अगले सप्ताह भारत का दौरा करेगी.

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार ईयू टीम के इस दौरे में विभिन्न मुद्दों पर उन संभावित समाधानों के आधार पर रचनात्मक निष्कर्ष तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा जिन्हें वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की ब्रसेल्स यात्रा के दौरान चिन्हित किया गया है. गोयल ने 26 से 28 अक्टूबर तक ब्रुसेल्स का दौरा किया. उन्होंने यूरोपीय व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस शेफोविच और उनकी टीम के साथ चल रही भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते वार्ता से संबंधित लंबित मुद्दों पर सार्थक और उपयोगी चर्चा की.

गोयल ने भारत की प्रमुख मांगों, विशेष रूप से श्रम-प्रधान क्षेत्रों से संबंधित मांगों, के लिए तरजीही व्यवहार की जरूरत पर बल दिया. दोनों पक्ष गैर-संवेदनशील औद्योगिक वस्तुओं पर शुल्क की दरों को अंतिम रूप देने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए है. वे इस बात पर भी सहमत हुए कि इस्पात, ऑटो, सीबीएएम और ईयू के अन्य नियमों से संबंधित मुद्दों पर अभी और चर्चा की आवश्यकता है, क्योंकि ये मुद्दे अधिक संवेदनशील हैं.

नॉमिनी के बिना खुलेंगे बैंक खाते

1 नवंबर से देश भर में लागू होगा नया नियम

मुंबई, 28 अक्टूबर. बैंकिंग सेवाओं में ग्राहक सुविधा को और सरल बनाते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एक बड़ा बदलाव किया है. अब कोई भी व्यक्ति बिना नॉमिनी के भी बैंक खाता खोल सकेगा और बैंक उसे मना नहीं कर पाएंगे. नए नियम 1 नवंबर 2025 से देशभर में लागू होंगे.

भारतीय रिज़र्व बैंक ने बैंक ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जमा खातों, सेफ डिपॉजिट लॉकर और सुरक्षित कस्टडी सेवाओं से संबंधित नॉमिनी नियमों में व्यापक संशोधन किए हैं. आरबीआई ने मंगलवार को जारी अधिसूचना में कहा कि बैंकों को अब किसी भी पात्र व्यक्ति को सिर्फ इस वजह से खाता खोलने से मना नहीं करना चाहिए कि उसने नॉमिनी का नाम नहीं दिया है.

केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया है कि नॉमिनेशन की जानकारी देना ग्राहकों के लिए अनिवार्य नहीं, बल्कि वैकल्पिक रहेगा. हालांकि बैंक को ग्राहक को नॉमिनेशन के लाभों के बारे में पूरी जानकारी देना आवश्यक होगा ताकि वह सूचित निर्णय ले सके. नए नियमों के लागू होने के साथ ही 31 पुराने परिपत्र समाप्त कर दिए गए हैं.

आरबीआई ने यह भी कहा है कि बैंक खाता खोलते समय नॉमिनेशन कॉलम भरवाना अनिवार्य रहेगा, लेकिन यदि ग्राहक नॉमिनी नहीं जोड़ना चाहता, तो बैंक को उसे नॉमिनी नहीं जोड़ा गया का विकल्प चुनने की सुविधा देनी होगी.

छोटे कस्बों तक पहुंचेगी बैंकिंग सुविधा

नयी दिल्ली, 29 अक्टूबर. छोटे कस्बों और गांवों तक पहुंच मजबूत करने के लिए बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने बीएलएस ई-सर्विसेज की सहायक कंपनी जीरो मास को कॉर्पोरेट बिजनेस कॉरेस्पॉन्डेंट (सीबीसी) के रूप में अपने पैनल में शामिल किया है. बीएलएस ई-सर्विसेज ने बुधवार को बताया कि यह साझेदारी देश के वंचित और ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यक बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद करेगी, जिससे समावेशी वित्तीय सुरक्षा के लक्ष्य को बल मिलेगा.

सीबीसी के रूप में नियुक्ति के बाद जीरो मास अब देशभर में बैंक ऑफ महाराष्ट्र के साथ मिलकर बैंक खाता खोलने, नकद जमा, नकद निकासी और अन्य बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर सकेगी.

साइबर सजगता से बनेगा मजबूत भारत

वित्त मंत्रालय का साइबर मिशन, हर नागरिक बने सतर्क : नागार्जुन

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर. डिजिटल अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ाने के लिए साइबर सुरक्षा अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन गई है. वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग ने इसी दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए साइबर जागरूकता अभियान शुरू किया है, जिसमें जनसहभागिता को विशेष महत्व दिया गया है.

केंद्रीय वित्त मंत्रालय में वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम नागराजू ने कहा कि एक सुदृढ़ और भरोसेमंद वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए साइबर सुरक्षा जागरूकता सबसे अहम तत्व है. वह आज नई दिल्ली में वित्तीय सेवा विभाग और मास्टरकार्ड इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित साइबर जागरूकता कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे. इस मौके पर उन्होंने 'साइबर जागरूकता अभियान' का शुभारंभ किया और एक कॉमिक किट भी जारी की, जो आम लोगों, विशेषकर युवाओं और छोटे उद्यमियों को साइबर खतरों से सावधान रहने का सरल संदेश देती है. यह कार्यक्रम राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के अंतर्गत आयोजित किया गया.

नागराजू ने कहा कि सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाना उतना ही जरूरी है जितना बैंकिंग में पासवर्ड की गोपनीयता बनाए रखना. उन्होंने कहा कि साइबर शिक्षा और क्षमता निर्माण के बिना कोई भी फिनटेक प्रणाली स्थायी नहीं रह सकती. कार्यक्रम में मास्टरकार्ड इंडिया और साइबरपीस फाउंडेशन के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया और साइबर सुरक्षा में सार्वजनिक-निजी भागीदारी की भूमिका पर चर्चा की. वित्त मंत्रालय के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य देशभर में साइबर साक्षरता का प्रसार करना और डिजिटल लेन-देन में विश्वास को मजबूत करना है.

एनएसआईसी ने भारत सरकार को दिया 43 .89 करोड़ का लाभांश

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर. एमएसएमई मंत्रालय के अंतर्गत एक लघु रत्न उद्यम, राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड (एनएसआईसी) ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए भारत सरकार को 43.89 करोड़ का लाभांश दिया.

एनएसआईसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. शुभ्रांशु शेखर आचार्य ने माननीय केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी और माननीय एमएसएमई राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे को यह लाभांश चेक एमएसएमई मंत्रालय के सचिव एस.सी.एल. दास, संयुक्त सचिव (एसएमई) मर्सी एपाओ, एनएसआईसी के निदेशक (पी एंड एम) कार्तिकेय सिन्हा और मंत्रालय एवं एनएसआईसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में प्रदान किया.

डॉ. आचार्य ने एनएसआईसी की वित्तीय उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, जिसमें 3,431 करोड़ का राजस्व और 146.30 करोड़ का कर-पश्चात लाभ (पीएटी) शामिल है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 15.60 प्रतिशत अधिक है.

मंत्री ने एकीकृत सहायता सेवाओं के माध्यम से एमएसएमई को सशक्त बनाने में एनएसआईसी के प्रयासों की सराहना की और दोनों नेताओं ने उद्यम निर्माण और कौशल विकास को बढ़ावा देने में एनएसआईसी की निरंतर भूमिका में विश्वास व्यक्त किया.

नये शिखर पर पहुंचा शेयर बाजार

368 अंक पर पहुंचा सेंसेक्स

117 अंक की बढ़त पर रहा निफ्टी

मुंबई, 29 अक्टूबर. चौतरफा लिवाली के दम पर घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को तेजी रही और प्रमुख सूचकांक नये शिखर पर बंद हुए. बीएसई का 3 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 368.97 अंक (0.44 **प्रतिशत) की बढ़त में 84,997.13 अंक पर पहुंच गया.**

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 117.70 अंक यानी 0.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ पहली बार 26 हजार अंक के पार 26,053.90 अंक पर बंद हुआ. यह दोनों सूचकांकों का अब तक का उच्चतम बंद स्तर है. मझौली और छोटी कंपनियों में ज्यादा तेजी रही. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.61 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.43 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ. ऑटो (0.73 प्रतिशत) को छोड़कर अन्य सेक्टरों के सूचकांक हरे निशान में रहे. तेल एवं गैस समूह का सूचकांक 2.12 प्रतिशत और धातु समूह का 1.73 प्रतिशत चढ़ा. एफएमसीजी, फार्मा, आईटी, रियलिटी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और स्वास्थ्य समूहों में भी अच्छी लिवाली देखी गयी.

सोने की कीमत में तेजी

24 कैरेट सोने की कीमत 1,20,630

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर. अगर आप सोना खरीदने या उसमें निवेश करने की सोच रहे हैं, तो आज का दिन आपके लिए बेहद खास साबित हो सकता है. त्योहारों और शादी के सीज़न की शुरुआत के साथ ही भारत में सोने के दाम एक बार फिर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए हैं.

भारत में बुधवार को सोने की कीमतों में एक बार फिर तेजी देखी गई है. देशभर में 24 कैरेट सोने का भाव 1,20,630 प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट का भाव 1,10,500 प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया है. बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, डॉलर की कमजोरी और घरेलू डिमांड बढ़ने से सोने की कीमतों में उछाल आया है. त्योहारों और शादियों के सीज़न में देशभर में सोने की मांग बढ़ने लगी है.

परंपरागत रूप से दिवाली और धनतेरस के आसपास भारत में सोना खरीदना शुभ माना जाता है, और यही कारण है कि दुकानों पर भीड़ बढ़ने लगी है.

31 मार्च तक मोबाइल पर दिखेगा कॉलर का नाम

दूरसंचार विभाग का बड़ा कदम, दिसंबर से शुरू होगी देशव्यापी प्रक्रिया

नयी दिल्ली, 29 अक्टूबर. मोबाइल फोन या फिक्स्ड लाइन के डिस्पले पर कॉल करने वाले के नंबर के साथ अब उसका नाम भी दिखेगा और चरणबद्ध तरीके से 31 मार्च 2026 **तक यह व्यवस्था पूरे देश में लागू हो जायेगी. सरकार के निर्देश पर इसका पायलट परीक्षण पूरा हो चुका है.**

वोडाफोन आइडिया ने हरियाणा सर्किल में पायलट पूरा किया है. दूरसंचार सचिव नीरज मित्तल ने बुधवार को यहां एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं को बताया कि इस साल दिसंबर तक इस पर आगे काम शुरू हो जायेगा और अगले साल 31 मार्च तक यह व्यवस्था पूरे देश में लागू हो जायेगी. उन्होंने बताया कि वोडाफोन आइडिया ने हरियाणा सर्किल में पंजीकृत नंबर से हरियाणा सर्किल के ही नंबर पर किये गये कॉल के लिए यह परीक्षण सफलता पूर्वक पूरा किया है.

अब रिलायंस जियो हरियाणा से पूरे देश में कहीं भी की गयी कॉल के लिए यह व्यवस्था शुरू करने जा रही है. बाद में इसका विस्तार सभी ऑपरेटरों के लिए पूरे देश में किया जायेगा. फिर देश में पंजीकृत किसी भी नंबर से देश के भीतर किसी भी नंबर पर कॉल करने पर नंबर के साथ कॉलर का नाम भी आयेगा.

समाचार विशेष

क्या राजनीति में एंट्री लेने जा रही कुदरत!

चंडीगढ़. क्या सर छोटूराम के परिवार की तीसरी पीढ़ी भी अब सक्रिय राजनीति में कदम रखने जा रही है? ये सवाल इन दिनों हरियाणा में हर किसी की जुबां पर है.पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह की पोती और हरियाणा के पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह की बेटी कुदरत को लेकर सियासी गलियारों में उनकी राजनीतिक एंट्री को लेकर चर्चा तेज है.

हाल ही में पिता बृजेंद्र सिंह की सद्भावना यात्रा में कुदरत की सक्रिय भागीदारी ने इस अटकल को और मजबूत कर दिया है. कुदरत ने सद्भावना यात्रा में हिसार के उकलाना में हिस्सा लिया. इस रैली में हिस्सा लेने के बाद उनके राजनीति में एंट्री को लेकर अटकलें शुरू हुई थी.

शुरू करेंगी राजनीतिक पारी?- कुदरत की राजनीतिक सक्रियता को देखकर ऐसा लगता है कि सर छोटूराम परिवार की तीसरी पीढ़ी हरियाणा की राजनीति में नई पारी शुरू करने की तैयारी में है. कुदरत एक ऐसे परिवार से आती हैं जिसकी राजनीति में गहरी जड़ें रही हैं. वह सर छोटूराम की परपोती हैं. उनके दादा चौधरी बीरेंद्र सिंह करीब पांच दशक से हरियाणा की राजनीति में सक्रिय रहे हैं और केंद्र में मंत्री पद भी संभाल चुके हैं. बीरेंद्र सिंह के पिता नेकी राम संयुक्त पंजाब में नरवाना से विधायक बने थे और प्रदेश सरकार में राजस्व मंत्री के रूप में कार्य किया था. परिवार की राजनीतिक विरासत की शुरुआत बीरेंद्र के नाना चौधरी छोटूराम ने की थी. उन्होंने जिन्होंने अंग्रेजी शासन के दौर में 1920 में जमींदारा लीग की स्थापना की थी.

कुदरत के पिता बृजेंद्र सिंह 2019 में बीजेपी के टिकट पर हिसार से सांसद बने थे और रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल की थी. समय के साथ उनका बीजेपी से मोहभंग हो गया. किसान आंदोलन, अग्निवीर योजना और महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न जैसे मुद्दों पर उनकी पार्टी से गहरी असहमति रही.

क्या कहतीं हैं कुदरत

हालांकि एक न्यूज साइट को दिए इंटरव्यू में कुदरत ने बताया है कि मेरा फोकस अभी सिर्फ पढ़ाई पर है. समय-समय पर अपने पिता को सपोर्ट करने के लिए आती रहती हूं. लोकसभा चुनाव में भी मैंने अपने पिता के लिए प्रचार किया था. उन्होंने हंसते हुए कहा कि अभी मेरा राजनीति में आने का कोई प्लान नहीं है. लेकिन वो अपने परिवार को हमेशा सपोर्ट करती रहेंगी.

आरजेडी समर्थकों के धमकी भरे गीतों से बवाल

यूट्यूब पर करोड़ों व्यूज

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल में गरमी बढ़ गई है, लेकिन इस बार चुनावी जोश के बीच धमकी और हिंसा भरे गीतों ने भी चिंता बढ़ा दी है.

सोशल मीडिया और यूट्यूब पर इन दिनों राजद समर्थक गायक खुलेआम ऐसे गाने गा रहे हैं, जिनमें राजनीतिक विरोधियों को धमकाने, गोली मारने और घर से उठा लेने जैसी बातें की जा रही हैं. इनमें सबसे चर्चित गाना है राजद उम्मीदवार और भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव का, जिसे यूट्यूब पर 2.8 करोड़ से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं.

इन गानों के बोल सीधे तौर पर हिंसा और जातीय उकसावे से भरे हुए हैं. उदाहरण के तौर पर एक गाने में कहा गया है कि भइया के आबे दे सत्ता रे, कट्टा सटा के उठा लेबऊ घरा से रे, यादव के नाम से ना केस लेतउ थाना. यह गाना न केवल धमकी देता है बल्कि एक विशेष जाति के प्रभुत्व का भी दावा करता है. 13 दिन पहले यूट्यूब पर अपलोड हुए गांधी लाल यादव के गाने भइया के आबे दे सत्ता रे को खबर लिखे जाने तक 37 हजार व्यूज मिल चुके हैं. वहीं महेश हलचल का गाना लालूजी के लालटेन तेजस्वी जी के तेल तो और आगे निकल चुका है. इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान जैसे नेताओं को खुलेआम धमकियां दी गई हैं. गाने के बोल हैं कि मार देबौ माचिस, हेलिकॉप्टर जर जैतो रे, धुआं-धुआं हो जैतो रे. इस वीडियो को 2.4 करोड़ से अधिक लोग देख चुके हैं. इन गानों के वीडियो में गायक और उनके समर्थक हरे गमछे में राइफल उठाकर फायरिंग करते दिख रहे हैं. गानों का मकसद केवल मनोरंजन नहीं बल्कि राजद की जीत के बाद 'शक्ति प्रदर्शन' का संदेश देना है.

पीएम मोदी ने जताई नाराजगी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समस्तीपुर में चुनावी रैली के दौरान इन गानों को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि राजद-कांग्रेस का यह 'लठबंधन अभी से छर्रा, कट्टा और दुनाली की भाषा बोल रहा है. ये लोग घर से उठाने की धमकियां दे रहे हैं. यही इनका जंगलराज का असली चेहरा है. पीएम ने जनता से अपील की कि बदनियती वाले लठबंधन को हराकर राज्य में कानून और शांति की सरकार बनाए रखें.

जीतने के बाद राजद में वापसी करेंगे तेजप्रताप?

पटना. बिहार में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार जोर पकड़ चुका है. राजद- कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी पार्टियां जहां सरकार को रोजगार, पलायन और अपराध के मामले में घेर रही हैं, वहीं भाजपा-जेडीयू के नेतृत्व वाले एनडीए में शामिल दल जनता के बीच लालू यादव के जंगलराज का जिक्र कर रहे हैं. सियासी दांव-पेच भी तेज है, सभी पार्टियों के नेता वोटरों को लुभाने में लगे हुए हैं. इसको लेकर नेता जनता से तमाम वादे और घोषणाएं कर रहे हैं. जनशक्ति जनता दल प्रमुख तेज प्रताप यादव से पूछा गया कि अगर उनके कुछ उम्मीदवार जीत जाते हैं, तो क्या वे राजद में वापसी करेंगे? इस पर तेजप्रताप ने कहा, नहीं, यह झूठ है. मैं इसका खंडन करता हूं. जिसने भी यह कहा है, वह गलत है.

विशेष **कई मंत्रियों की होगी छुट्टी, सियासी उथल-पुथल शुरू**

गुजरात की तरह महाराष्ट्र में भी बदलेगी कैबिनेट!

मुंबई. गुजरात के बाद अब महाराष्ट्र में भी मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव की संभावना जताई जा रही है. खराब प्रदर्शन करने वाले और विवादों में फंसे कई मंत्रियों को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है और उनकी जगह नए चेहरों को मौका दिया जा सकता है. अगले साल मंत्रियों के प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी. उनके काम का मूल्यांकन किया जाएगा.

इससे कई मंत्रियों की चिंता बढ़ गई है. पिछले एक साल में शिंदे सेना के कई मंत्री चर्चा में रहे हैं. इसलिए इनमें से किसके सिर पर नारियल फूटेगा, इस पर चर्चा शुरू हो गई है.

कौन हो सकता है बाहर?- महाराष्ट्र में महायुति सरकार को अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ है. एक वरिष्ठ बीजेपी नेता ने बताया कि समीक्षा दो या ढाई साल बाद की जाती है. जो उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाएंगे, उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा. हम मंत्रियों को काम करने और खुद को साबित करने के लिए पर्याप्त समय देंगे. वरिष्ठ बीजेपी नेता ने अगली योजना बताते हुए कहा कि मंत्रियों के प्रदर्शन की

गुजरात का फॉर्मूला महाराष्ट्र में भी?- पिछले हफ्ते बीजेपी ने गुजरात में मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव किए. सरकार के सभी 16 मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया. केवल मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस्तीफा नहीं दिया. अगले ही दिन 25 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली. इसमें कई नए चेहरों को मौका दिया गया. पिछली सरकार के केवल 6 लोगों को ही दोबारा मौका मिला. नए मंत्रियों में से 12 पहली बार विधायक बने हैं. अब गुजरात का यही फॉर्मूला महाराष्ट्र में भी लागू होने की संभावना है. शिवसेना-एनसीपी के कुछ मंत्री विवादों में एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कुछ मंत्री विवादों में रहे हैं. उनके व्यवहार से महायुति सरकार की छवि धूमिल हुई है. अभी तक केवल धनंजय मुंडे ने ही मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया है. अन्य विवादास्पद मंत्रियों को केवल समझाइश दी गई है. इनमें से कई को अगले साल पद मिल सकता है.

सरकार में किसके कितने मंत्री?

राज्य में पिछले साल विधानसभा चुनाव हुए थे. फडणवीस सरकार 5 दिसंबर को सत्ता में आई थी. वर्तमान में मंत्रिमंडल में 39 सदस्य हैं. इनमें से 33 कैबिनेट मंत्री और 6 राज्य मंत्री हैं. अधिकांश मंत्री बीजेपी से हैं. मंत्रिमंडल में बीजेपी के 19, शिंदे की शिवसेना के 11 और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 9 सदस्य शामिल हैं.